प्रधानमंत्री मातृत्व वंदन योजना से सशक्त हुई युवा माँ

बीजापुर 28 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार) आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र कुटरू परियोजना के अंतर्गत स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पेठा सेक्टर न सिर्फ पोषण और देखभाल का केन्द्र है बल्कि यहाँ से कई ऐसी प्रेरणादायक कहानियाँ भी सामने आती हैं जो समाज के लिए उदाहरण बन जाती हैं। ऐसी ही एक प्रेरक कहानी है 22 वर्षीय युवा माँ श्रीमती मोटली तेलम की जो आज प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के सहयोग से आर्थिक रूप से सशक्त आत्मनिर्भर और जागरूक मातृत्व का अनुभव कर रही हैं।

दिनांक 19 दिसंबर 2025 को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा उनके निवास पर गृह.भेंट एवं परिवार भ्रमण किया गया। बातचीत के दौरान मोटली तेलम ने खुलकर अपनी जीवन यात्रा चुनौतियाँ और इस योजना से मिले सकारात्मक परिवर्तन साझा किए। उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के तहत प्राप्त 5000 की आर्थिक सहायता ने न सिर्फ उनके जीवन में राहत दी बल्कि मातृत्व के दौरान मिलने वाला आत्मविश्वास भी बढ़ाया।

आर्थिक संबल बना आत्मविश्वास का आधार

आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण गर्भावस्था के समय कई तरह की चिंताएँ उनके परिवार के सामने थीं। माँ बनने का सुख जितना अनमोल था उतनी ही दैनिक जरूरतों को पूरा करने की चुनौती भी थी। इसी दौरान प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना के अंतर्गत उन्हें सहायता राशि प्राप्त हुई। यह राशि सिर्फपैसे नहीं बल्कि उनके लिए सुरक्षा भरोसे और संबल का माध्यम बनी।

योजना ने बदली सोच, बढ़ाया सम्मान

प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना का उद्देश्य केवल आर्थिक सहायता देना नहीं बल्कि मातृत्व के महत्व को सशक्त बनाना है। मोटली तेलम की कहानी इस उद्देश्य की सफल परिणति है। उन्होंने बताया कि पहले उन्हें लगता था कि सरकारी योजनाएँ केवल कागजों तक सीमित रहती हैं लेकिन इस योजना के माध्यम से उन्हें जो सहायता और सहयोग मिला उसने उनकी धारणा पूरी तरह बदल दी।

अब वे स्वयं योजना के महत्व को समझती हैं और अन्य महिलाओं को भी इसके प्रति प्रेरित करती हैं। परिवार भ्रमण के दौरान उन्होंने गर्वपूर्वक कहा कि इस योजना के कारण वे अपने मातृत्व काल को न सिर्फ सुरक्षित बल्कि सम्मानजनक और सशक्त अनुभव कर पा रही हैं।

आंगनबाड़ी की भूमिका रही सराहनीय

इस सफलता की कहानी में आंगनबाड़ी केंद्र की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण रही। नियमित गृह.भेंट समय.समय पर परामर्श स्वास्थ्य एवं पोषण संबंधी जानकारी प्रदान कर आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने मोटली तेलम का मनोबल बढ़ाया। उन्होंने योजना की जानकारी आवेदन प्रक्रिया और सहायता राशि प्राप्ति के लिए भी उन्हें लगातार मार्गदर्शन दिया।

जिले में सात दिवसीय मानसिक स्वास्थ्य एवं तंबाकू नियंत्रण प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

नारायणपुर 28 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार) कलेक्टर नम्रता जैन निर्देशानुसार स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में राष्ट्रीय तंबाकू नियंत्रण कार्यक्रम और राष्ट्रीय मानसिक स्वास्थ्य कार्यक्रम की टीम द्वारा आयोजित सात दिवसीय विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम का सफलतापूर्वक समापन हुआ। इस प्रशिक्षण का उद्देश्य ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाना तथा जन.जन तक मानसिक स्वास्थ्य और नशामुक्ति का संदेश पहुँचाना रहा।

सात दिनों तक चले इस गहन प्रशिक्षण कार्यक्रम में स्वास्थ्य विभाग के विभिन्न स्तरों के कार्मिकों ने भाग लिया। इनमें सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारी ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक मितानिन एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ता तथा जीएनएम छात्र.छात्राएं शामिल रहे। प्रशिक्षण सत्रों के दौरान विषय विशेषज्ञों द्वारा मानसिक रोगों की पहचान उपचार एवं तंबाकू सेवन से होने वाले दुष्प्रभावों पर विस्तृत जानकारी दी गई। प्रशिक्षण टीम में डॉ बी एन बनपुरिया नोडल अधिकारी डॉ. याखिलेश्वरी ठाकुर नोडल अधिकारी छत्रपाल साहू मनोचिकित्सीय समाज कार्यकर्ता मनोज देवांगन कम्युनिटी पियर एवं उमेश वर्मा शामिल रहे।

कार्यशाला के दौरान डॉण् बनपुरिया ने मानसिक स्वास्थ्य के प्रति समाज में व्याप्त भ्रांतियों को दूर करने और जागरूकता बढ़ाने पर जोर दिया। वहीं डॉण् याखिलेश्वरी ठाकुर ने तंबाकू नियंत्रण कानून की जानकारी देते हुए तंबाकू से होने वाली गंभीर बीमारियों के बारे में बताया और प्रतिभागियों को नशामुक्ति अभियान में सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रेरित किया। प्रशिक्षण के माध्यम से मितानिन एवं आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को जमीनी स्तर पर मानसिक रोगियों की पहचान तंबाकू सेवन करने वालों की काउंसलिंग तथा उन्हें उपचार एवं मुख्यधारा से जोड़ने के व्यावहारिक तरीकों का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम जिले के दूरस्थ अंचलों तक मानसिक स्वास्थ्य सेवाएं पहुँचाने और तंबाकू मुक्त समाज की दिशा में एक महत्वपूर्ण व प्रभावी कदम साबित होगा।

प्राकृतिक आपदाओं से मृत्यु के प्रकरणों में मृतकों के परिजनों को 12 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत

बीजापुर 28 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार)कलेक्टर संबित मिश्रा द्वारा छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के प्रावधानों के तहत् राजस्व पुस्तक परिपत्र 6(4) के अंतर्गत प्राकृतिक आपदाओं से मृतकों के परिजनों को 12 लाख रुपए की आर्थिक सहायता राशि प्रदान करने की स्वीकृति दी गई है। जिसके अंतर्गत सर्पदंश से मृत्यु में मृतिका रमिला लेकामी के निकटतम वारिस उनके पिता मीठूराम लेकामी को 4 लाख रूपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। इसी तरह नदी.नाले के पानी में डुबने से मृत्यु में मृतक पुजारी ईरैया के निकटतम वारिस उनकी पत्नी श्रीमती पुजारी सुशीला मृतिका मिटकी ओयाम के निकटतम वारिस उनके पति श्री कोपा राम ओयाम सहित प्रत्येक मृतकों के परिजनों को 4.4 लाख रूपए कुल 12 लाख रूपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृति दी गई है। स्वीकृत राशि का भुगतान संबंधित हितग्राहियों के बैंक खाते में डायरेक्ट बेनिफ्टि ट्रांसफर के माध्यम से किए जाने के निर्देश संबंधित तहसीलदार को दिए गए है।

पुवर्ती में विकास कार्यों सहित ग्रामीण आजीविका को मिलेगा बढ़ावा- कलेक्टर

सुकमा 28 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार) कलेक्टर अमित कुमार ने शनिवार को दूरस्थ क्षेत्र ग्राम पुवर्ती का दौरा कर ग्रामीणों से संवाद किया। उन्होंने शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की विस्तृत समीक्षा की। इस अवसर पर उन्होंने ग्रामीणों से आधार कार्ड अनिवार्य रूप से बनवाने कहा कि ताकि आधार के माध्यम से शासन की अधिकांश योजनाओं का लाभ आप सभी हितग्राहियों को मिल पाए। उन्होंने ग्रामीणों को जानकारी दी कि ग्राम में पट्टा बनाने सामुदायिक भवन स्वास्थ्य केंद्र एवं आंगनवाड़ी केंद्र के निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ किए जाएंगे जिससे क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का विस्तार होगा। कलेक्टर अमित कुमार ने ग्राम पुवर्ती में संचालित विकास कार्यों का निरीक्षण किया। आंगनबाड़ी केंद्र के निरीक्षण के दौरान उन्होंने मध्यम कुपोषित बच्चे को एनआरसी पोषण पुनर्वास केंद्र में भर्ती कर समुचित देखभाल सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने आंगनबाड़ी के माध्यम से बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को समय पर पोषण आहार उपलब्ध कराने पर जोर दिया।

ग्रामीणों से योजनाओं पर संवाद आजीविका संवर्धन के निर्देश

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्री कुमार ने ग्रामीणों से शासन की योजनाओं के संबंध में विस्तृत चर्चा की। उन्होंने ग्रामीण आजीविका को बढ़ावा देने हेतु गाय एवं बकरी शेड निर्माण के प्रकरण स्वीकृत करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों को आवास स्वीकृति प्रदान करने श्रम पंजीयन हेतु ग्राम में विशेष शिविर आयोजित करने तथा एनआरएलएम के माध्यम से आजीविका गतिविधियों को शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्राम पुवर्ती में विद्युत व्यवस्था एवं नलकूप सुविधा के संबंध में आवश्यक दिशा.निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सेवाओं की समीक्षा संस्थागत प्रसव को बढ़ावा

कलेक्टर श्री कुमार ने स्वास्थ्य स्टाफ से दूरस्थ क्षेत्रों में चल रहे मलेरिया जांच अभियान की जानकारी ली। उन्होंने मलेरिया जैसी बीमारियों की रोकथाम पर विशेष ध्यान देने एवं संस्थागत प्रसव को बढ़ावा देने के निर्देश दिए। इसके साथ ही हेल्थ सेंटर एवं पंचायत भवन के लिए उपयुक्त भूमि चिन्हांकन करने के निर्देश संबंधित अधिकारी को दिए ।

पीडीएस भवन एवं राशन भंडारण व्यवस्था का निरीक्षण

ग्राम पुवर्ती स्थित पीडीएस भवन का निरीक्षण करते हुए कलेक्टर ने राशन भंडारण की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने निर्देश दिए कि ग्राम में यदि कोई दिव्यांगजन पात्र है तो उसे निशक्तजन राशन कार्ड के अंतर्गत नियमित रूप से राशन उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए।

समृद्ध संस्कृति लोक नृत्य- संगीत से पर्यटकों को लुभा रहा राजस्थान

- छग के पत्रकारों ने किया राजस्थान का भ्रमण
- राजपूत एवं मुगल वास्तुकला का सुंदर मिश्रण है आमेर किला
- छ.ग. में भी चोखी ढानी की तर्ज पर बने पारंपरिक विलेज रिसोर्ट और फूड विलेज
- चोखी ढानी के रूप में हो गढ़ कलेवा का विस्तार
- हेलमेट के प्रति जागरूकता बेहतरीन दृष्टांत

(दण्डकारण्य समाचार प्रतिनिधि टिकेंश्वर तिवारी व्दारा)

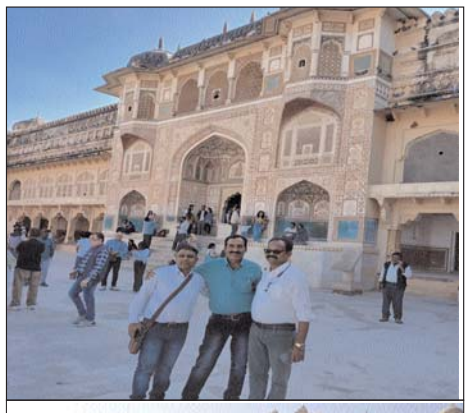

जगदलपुर 28 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार) भारत में पर्यटन की दृष्टि से राजस्थान जो अपनी शाही विरासत, प्राकृतिक सुंदरता और समृद्ध सांस्कृतिक परंपराओं से जीवंत है ऐतिहासिक किलों , महलों, रेगिस्तान के नजारों के साथ धार्मिक स्थल पारंपरिक संगीत और कला, लोक नृत्य - घूमर, कालबेलिया नृत्य, कठपुतली नृत्य एवं स्वादिष्ट भोजन के लिए प्रसिद्ध है वहीं यहां के लोगों का अनुशासन ट्रैफिक नियमों में हेलमेट की अनिवार्यता का पालन तथा उनकी मेहमान नवाजी विशेष रूप से उल्लेखनीय है । ये सब कुछ पर्यटकों को आकर्षित करते हैं, जिससे रूबरू होने हजारों देशी विदेशी सैलानी हर साल यहां आते हैं।

छ.ग. शासन के जनसंपर्क विभाग द्वारा विगत 15 से 20 दिसंबर 25 के मध्य अंतर्राज्यीय एक्सपोजर टूर के तहत राजस्थान भ्रमण पर भेजे गए 28 सदस्यों की टीम जिसमें 23 समाचार पत्र प्रतिनिधि एवं पांच अधिकारी शामिल थे ने राजधानी जयपुर, बीकानेर तथा जैसलमेर का भ्रमण किया। जयपुर में प्रसिद्ध आमेर किला, हवा महल , बीकानेर का जूनागढ़ किला तथा जैसलमेर का जैसलमेर फोर्ट सोनार किला, पटवा हवेली, इंडियन आर्मी के युद्ध संग्रहालय को देखा। थार रेगिस्तान में सफारी में ऊंट एवं जीप ट्रैकिंग का भी आनंद लिया। हमारे दल ने जयपुर बीकानेर का सड़क मार्ग से भ्रमण किया तो देखा कि सड़क पर ट्रैफिक की चेकिंग नहीं है किंतु हर दो पहिया वाहन चालक ने हेलमेट पहना था जो उनकी जागरूकता को दर्शाता है।

जयपुर को पिंक सिटी कहा जाता है। यहां राजशाही शैली में बने भवन , सुविख्यात हवा- महल एवं पुराना जयपुर का एरिया मन मोह लेता है। प्रसिद्ध आमेर किला की विशालता और भव्यता तो देखते ही बनती है। बॉलीवुड के अनेकों फिल्म की शूटिंग यहां हुई है। इसे यूनेस्को की विश्व धरोहर सूची में स्थान मिला है। आमेर का किला यहां के गौरवशाली अतीत का गवाह रहा है। यह कछवाहा राजपूतों द्वारा बनवाया गया है। इसे बनने में 130 साल लगे थे। हल्के पीले और गुलाबी बलवा पत्थर से निर्मित ये किला सुंदरता व राजसी वैभव का प्रतीक है। अरावली पर्वतमाला पर स्थित किले के ऊंचे इमारत तक पहुंचने के लिए कठिन चढ़ाई करनी पड़ती है। पहले आमेर ही राजधानी थी जिसे 1727 में जयपुर में स्थानांतरित कर दी गई। यह किला राजपूत और मुगल वास्तुकला का एक सुंदर मिश्रण है। इसकी किलेबंदी एक पहाड़ी के शिखर तक ही सीमित नहीं होकर ढलान से लेकर नीचे तक फैली हुई है। आमेर किले का इतिहास लड़ाइयों से भरा पड़ा है। वर्तमान में किले के अंदर दो तोपे रखी हुई है।

राजस्थान की पारंपरिक संस्कृति को समीप से देखने का अवसर हमें चौकी ढाणी में मिला जो जयपुर के पास प्रसिद्ध एक पारंपरिक विलेज रिसोर्ट और फुड विलेज है। कंडील लैंपो में रोशन राजस्थान की ग्राम व स्थानीय जीवन शैली एवं संस्कृति को यहां दर्शाया गया है। यहां मिट्टी के बर्तनों में स्वादिष्ट राजस्थानी भोजन परोसा जाता है। आपके मना करने पर भी हर प्रकार के व्यंजन खाने के लिए ऐसी नम्रता से बार-बार आग्रह करते हैं कि आपका दिल जीत लेते हैं। ऐसी मेहमान नवाजी कहीं देखने को नहीं मिलती। यहां जगह-जगह लोक नृत्य जैसे घूमर, कठपुतली शो, पारंपरिक संगीत का आनंद लोग ले सकते हैं। राजस्थानी वेशभूषा, कपड़े, जेवर, हस्तशिल्प, कलाकृतियां यहां मिलती है। सही मायने में कहे तो चोखी ढाणी में राजस्थान की संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव अपने आप में उम्दा है। आवश्कता है छत्तीसगढ़ के प्राचीन धरोहरों को पर्यटन के रूप में विकसित करने की। पर्यटकों को आकर्षित करने के लिए राजस्थान की चौकी ढाणी के तर्ज पर छत्तीसगढ़ में भी गढ़ कलेवा के स्वरूप का विस्तार करके कंडील लैंप की रोशनी में पारंपरिक भोजन के साथ छत्तीसगढ़िया अनुभव प्रदान करने हेतु पारंपरिक विलेज रिसोर्ट और फूड विलेज के स्थापना की, जहां छत्तीसगढ़ की संस्कृति, विरासत, पारंपरिक भोजन और लोक कलाओं की एक प्रामाणिक अनुभव प्रदान करने की। यहां छत्तीसगढ़ में प्रचलित सभी तरह के लोकनृत्य व संगीत एवं पारंपरिक छत्तीसगढ़िया जीवन शैली के साथ-साथ छत्तीसगढ़ की उत्कृष्ट मेहमान नवाजी भी देखने को मिले।

कदाचित पर्यटन स्थलों पर चोखी ढाणी की तर्ज पर किए जाने वाला प्रयोग पर्यटकों को लुभाने में जरूर कामयाब होगा।

बस्तर एक शाँति प्रिय क्षेत्र है जहाँ सभी वर्गों व समाजों का सम्मान

- भयभीत होने की कोई आवश्कता नहीं है मूलवासी समाज किसी समाज का विरोधी नहीं - संजय सोड़ी

सुकमा 28 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार) बस्तर के आदिवासियों के लिए बड़ी मुश्किलों का दौर चल रहा है एक ओर सरकार नक्सल मुक्त बस्तर की ओर अग्रेषित है वहीँ दूसरी ओर राजनितिक लाभ के लिए सामाजिक भेदभाव वर्गीकरण धर्मान्तरण जैसे मामलो को बढ़वा देने का प्रयास राजनैतिक दलों के द्वारा अप्रत्यक्ष रूप से बड़े जोर शोर से किया जा रहा है जो बस्तर के लिए बड़ी दुर्भाग्य की बात है बस्तर मे भेदभाव नकारात्मक विचारों के लिए कोई स्थान नहीं हैए बस्तर के मूल स्वभाव को बदलने का प्रयास सचेत रहने की आवश्कता है। उक्त बातें आदिवासी युवा नेता संजय सोड़ी ने प्रेस नोट जारी कर कहा। संजय सोड़ी ने कहा बस्तरिया राज मोर्चा के सयोजक का एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमे कुछ समाजो को टारगेट कर बस्तर का वातावरण दूषित करने का प्रयास किया जा रहा है। युवाओं को भड़काना व उकसाने जैसे गतिविधियों से जनप्रतिनिधियों को बचना चाहिए हाल ही मे कांकेर की घटना पडोसी राज्य ओड़िसा की घटना का वातावरण शांत हुआ नहीं इस बीच ऐसे भड़काऊ भाषण छोटी चिंगारी मे हवा देने जैसा है। कोई व्यक्तिविशेष अपराधी है या अपराध करता है तो उस व्यक्ति के ऊपर आरोप लगे ना कि सभी समाज को कटघरे मे खड़ा करे सामाजिक धार्मिक टिप्पणी से बचे स्थानीय जनप्रतिनिधि।

संजय सोड़ी ने समाज को ध्यान आकर्षित करते हुए कहा बस्तर के आदिवासी समाज मुलवासी समाज को ऐसे भ्रमित व भड़काऊ भाषण पर आपत्ति दर्ज़ करना चाहिए क्यूंकि उस कार्यक्रम मे बस्तर के मूल समाजो के नाम व संभागीय अध्यक्षो का नाम का जिक्र व समर्थन की बात की गई और वही दूसरी ओर अन्य समाजो के व्यक्तियों को भागने व बाहरी शब्दों का प्रयोग किया गया। ऐसे शब्द युवाओं मे सामाजिक भेदभाव सामाजिक विभाजन के लिए प्रेरित करता है। सामाजिक दृष्टिकोण को ध्यान मे रखते हुए सोड़ी ने कहा हर व्यक्ति को विशेष अधिकार किसी भी राजनितिक दल का विचारों का समर्थन करना व स्वयं का निजी विवेक होता है। सामाजिक पद की गरिमा को देखते हुए राजनीतिक मंच को साझा करते समय सामाजिक और राजनीतिक मंच की गरिमा को बनाए रखे। समाज के पदों का उपयोग राजनीतिक मंच से लिया जा रहा है जो समाज के हित मे नहीं है। समाज को गुमराह व भ्रमित होने से बचाए। समाज के अध्यक्षो का नाम का उपयोग व सहयोग सामाजिक कार्यो मे हो ना की राजनीती दलों की इस पर सर्व समाज को ध्यान आकर्षित करने की आवश्कता है। श्री सोड़ी ने आगे कहा कि सुकमा जिला के मूल वासियों व युवाओं की आर्थिक परिस्थितियों के लिए हम और स्थानीय जनप्रतिनिधि जिम्मेदार है इसमें अन्य समाजो को दोष देना गलत है।

अन्य समाज से आगे बढ़ने की ले प्रेरणा ऋ सोड़ी

श्री सोड़ी ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि युवा.साथियों को कुछ सीखना है तो अन्य समाजो से व्यापार करना सीखेए स्वयं को आत्मनिर्भर बनना सीखेए अपने समाज को जागरूक करें राजनैतिक सामाजिक विचारों मे अपना मत प्रकट करे राजनीतिक दल राजनीति रोटी सेकने के लिए समाज मे फुट डालने का प्रयास करता है फुट डालो और राज करो हम युवाओं को सही.गलत का फर्क को समझना है।

- 82 श्रमिकों का हुआ पंजीयन एवं नवीनीकरण

ग्राम हंगवा में श्रम पंजीयन शिविर आयोजित

कोण्डागांव, 28 दिसंबर (दण्डकारण्य समाचार)। छत्तीसगढ़ शासन की मंशा के अनुरूप एवं कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना के निर्देशानुसार जिला कोण्डागांव में निर्माण श्रमिकों एवं असंगठित कर्मकारों के पंजीयन, नवीनीकरण तथा विभागीय योजनाओं का लाभ सुनिश्चित करने के उद्देश्य से विकासखंड कोंडागांव के ग्राम पंचायत हंगवा में मोबाइल पंजीयन एवं नवीनीकरण शिविर का आयोजन किया गया।

शिविर का आयोजन कार्यालय श्रम पदाधिकारी, जिला कोण्डागांव द्वारा किया गया, जिसमें कुल 82 श्रमिकों का पंजीयन एवं नवीनीकरण किया गया। इस अवसर पर श्रमिकों को श्रम विभाग द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की विस्तृत जानकारी दी गई। शिविर में नौनिहाल छात्रवृत्ति योजना, मिनीमाता महतारी जतन योजना, नोनी बाबू मेधावी शिक्षा सहायता योजना, मुख्यमंत्री निर्माण श्रमिक मृत्यु एवं दिव्यांग सहायता योजना सहित अन्य महत्वपूर्ण योजनाओं के लाभ, पात्रता एवं आवेदन प्रक्रिया के बारे में बताया गया। अधिकारियों ने श्रमिकों से अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराकर योजनाओं का लाभ लेने की अपील की।